पेट्रोल-डीजल संग पंपों पर लगेंगे ईवी चार्जिंग प्वाइंट

जासं ● लखनऊ : एक अनुमान के मुताबिक अगले दस वर्षों में सड़कों पर कुल वाहनों में तीस प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) होंगे। इतनी बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशनों की जरूरत होगी, जो एक बड़ी चुनौती है। प्रत्येक पंप पर इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग की सुविधा हो इसके लिए इंडियन आयल की तरह ही हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड भी नेटवर्क का विस्तार कर रहा है। लखनऊ के 70 पंपों के अलावा प्रदेश में 849 स्टेशनों पर चार्जिंग स्टेशन लगाने की योजना है।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड के डीजीएम अरविंद सिंह का कहना है कि तेजी के साथ इलेक्ट्रिक वाहन बढ़ रहे हैं। इसको देखते हुए हमारा प्रयास है कि प्रत्येक स्टेशन पर सुविधा हो। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक प्रदेश में 216 पंपों पर चार्जिंग प्वाइंट लग जाएंगे। अब तक प्रदेश भर में 633 स्टेशनों पर चार्जिंग प्वाइंट लग चुके हैं। कंपनी

हर 25 किलोमीटर पर होगा सर्विस टच प्वाइंट

जासं ● लखनऊ : ईवी बाजार तेजी से बढ़ रहा है, जिससे कंपनियां विस्तार के साथ अपना बुनियादी ढांचा भी मजबूत कर रही हैं। ईवी बाजार की दिग्गज कंपनी अशोक लीलैंड भी अपने कदम तेजी के साथ उत्तर प्रदेश में बढ़ा रही है। कंपनी उत्तर प्रदेश में साढ़े तीन सौ से अधिक सर्विस वर्कशाप के संचालन के साथ ही प्रत्येक 25 किलोमीटर पर एक सर्विस टचप्वाइंट भी स्थापित कर रही है। बुधवार को अशोक लीलैंड के

एलसीवी बिजनेस के प्रमुख विप्लव शाह ने एक संवाददाता सम्मेलन में कंपनी के विस्तार और भविष्य पर बात की। विप्लव ने कहा, उत्तर प्रदेश और उत्तरी भारत हमेशा हमारे लिए एक प्रमुख बाजार रहा है। यहां अपार संभावनाएं हैं। हमने यूपी में 22 डीलरों के साथ भागीदारी की है, जिससे इसकी पहुंच का और विस्तार हुआ है। विप्लव ने कहा, मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश में गतिशील और समृद्ध कारोबारी महौल है। अशोक लीलैंड इसीलिए यहां अपने कारोबार को विस्तार दे रहा है। लखनऊ-कानपुर रोड पर बन रहा प्लांट इसका उदाहरण है।

- मार्च तक 216 और पंपों पर चार्जिंग प्वाइंट लगाएगा एचपी
- राजधानी के 70 पंपों पर भी चार्जिंग प्वाइंट लगाने की योजना

की प्राथमिकता एक्सप्रेसवे और हाईवे पर स्थित पंपों पर चार्जिंग सुविधा मुहैया कराना है। इसके बाद शहरों के भीतर आउटलेट पर फोकस होगा। हिंदुस्तान पेट्रोलियम की तरह ही इंडियन आयल भी एक्सप्रेसवे और हाइवे पर चार्जिंग प्वाइंट तेजी के साथ लगा रही है। इंडियन आयल की 2026 तक इलेक्ट्रिक वाहन के लिए प्रदेश भर में 2616 स्टेशन लगाने की योजना है।

पंपों पर एक विकल्प अनिवार्य : वर्ष 2070 तक देश को जीरो कार्बन उत्सर्जन की श्रेणी में पहुंचाने के लिए सरकार इलेक्ट्रिक और नेचुरल गैस से चलने वाले वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए काम कर रही है। उत्तर प्रदेश में तो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर सरकार सब्सिडी तक दे रही है। इसी क्रम में पेट्रोलियम मंत्रालय ने प्रत्येक पंप पर पेट्रोल और डीजल के अलावा गैस या ईवी की उपलब्धता अनिवार्य कर दी है।